06 June 2025_Copy of Layout 1 6/7/2025 10:00 AM Page 1

दैनिक

नज़रिया खबर

भारत सरकार के डीएवीपी व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

RNI:UTTHIN/2008/25052

वर्ष:17 | अंक: 337 | देहरादून, शुक्रवार 06 जून, 2025 | पृष्ठ:08 | मूल्य:1/रु. प्रति

न्यूज डायरी

मुख्यमंत्री ने किया फिल्म ''गौदान की पुकार'' की शूटिंग का शुभारम्भ

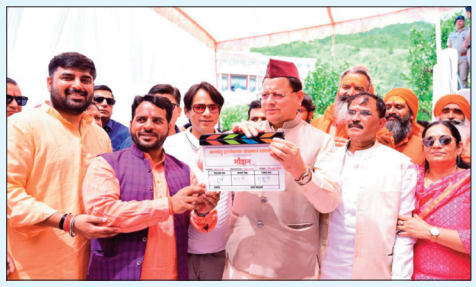

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को धारकोट देहरादून में ''गौदान की पुकार'' फिल्म के मुहूर्त शॉट को क्लैप किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौरक्षा एवं गौकल्याण पर आधारित यह फिल्म गौसेवा के लिये प्रेरणा प्रदान करने में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड फिल्म निर्माण के क्षेत्र में प्रमुख केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। इस अवसर पर फिल्म के निर्माता विनोद कुमार चौधरी, मनोज जोशी एवं उपासना सिंह समेत अन्य कलाकार उपस्थित थे।

किशोरी दुष्कर्म मामला: फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिद्वार। सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने लगातार छापेमारी करते हुए तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। मामले में भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी यानि की पीड़िता की मां व उसके प्रेमी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जानकारी के अनुसार भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी व उसके प्रेमी सहित एक अन्य के खिलाफ पीड़िता की ओर से रानीपुर कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया था कि महिला मोर्चा की पदाधिकारी उसकी मां है जिसने अपने प्रेमी व उसके दोस्त से पीड़िता के साथ दुष्कर्म कराया गया है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर पीड़िता की मां व उसके प्रेमी को बीते रोज ही गिरफ्तार कर लिया गया था। जबकि मामले का तीसरा आरोपी शुभम फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने बीती रात शाहपुर मेरठ से गिरफ्तार कर लिया है।

पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को मुख्यमंत्री धामी ने किया सम्मानित

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया। सुन्दर लाल बहुगुणा प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार–2025 (सरकारी श्रेणी) में नगर निगम रूद्रपुर को सम्मानित किया गया।

नगर निगम रुद्रपुर से उप नगर आयुक्त शिप्रा जोशी ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। सुन्दर लाल बहुगुणा प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार–2025 (गैर सरकारी श्रेणी) में विजय जड़धारी एवं प्रताप सिंह पोखरियाल को सम्मानित किया गया। उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जागरूकता पोस्टर का विमोचन एवं इको टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार किए गए पोर्टल का भी मुख्यमंत्री ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्लास्टिक मुक्त उत्तराखण्ड की शपथ दिलाई एवं स्कूली बच्चों को कपड़े के बैग प्रदान किये। मुख्यमंत्री ने वन विभाग को इस वर्ष प्रदेश के प्रत्येक वन डिवीजन में कम से कम एक हजार फलदार वृक्ष लगाए जाने के निर्देश दिए। जिससे जंगली जीव–जंतुओं के लिए पर्याप्त आहार मिल सके। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और यात्रियों से आग्रह किया कि जीव–जंतुओं को ऐसी वस्तुएँ न खिलाएँ जो उनकी सेहत के लिए हानिकारक हों। उन्होंने आह्वान किया कि जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर अवश्य पौधारोपण करें। मुख्यमंत्री ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से परिपूर्ण राज्य है। घने जंगल, पवित्र नदियाँ, हिमालयी ग्लेशियर हमारे राज्य की भौगोलिक पहचान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से भारत अक्षय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में विश्व स्तर पर आगे बढ़ रहा है। सोलर मिशन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, नमामि गंगे अभियान और प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान जैसी योजनाएं पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही हैं।

पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करते सीएम।

शेष खबर पेज आठ पर देखे

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री ने किया पौधारोपण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर ष्एक पेड मां के नामष् अभियान के तहत पौधारोपण किया। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया।

इस अवसर पर उन्होंने सीता अशोक का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश की जनता से भी आह्वान किया कि वे इस पावन कार्य में सहभागी बनें और अपनी मां के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए प्रकृति की सेवा करें। यह अभियान मातृ सम्मान एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित हैए जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माता के नाम पर एक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री सुबोध उनियाल और मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने भी पौधारोपण किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मानक संवाद के जरिए बीआईएस ने की उद्योग जगत के साथ महत्त्वपूर्ण पहल

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की ओर से ष्मानक संवादष् कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उद्योग जगत के लोग एक महत्वपूर्ण उद्देश्य के लिए एकत्रित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के कृषि मंत्री गणेश जोशी रहे।

भारत में गुणवत्ता संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। बीआईएस न केवल उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करता है, बल्कि उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम भी बनाता है। साथ ही विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण सुरक्षा के लिए अधिक से अधिक पौधा लगाने और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की शपथ भी इस दौरान ली गई, साथ ही शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि गणेश जोशी ने बीआईएस को इस पहल के लिए बधाई देते हुए सभी उद्योग प्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस यात्रा में सक्रिय भागीदार बनें रहे साथ ही साथ उन्होंने कहा कि बीआईएस और उद्योग जब मिलकर काम करते हैं, तभी एक मजबूत गुणवत्ता इकोसिस्टम तैयार होता है। इस दौरान बीआईएस डायरेक्टर सौरभ तिवारी ने उद्योग जगत से कहा कि भारतीय मानकों को अपनाना आपकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है, और साथ ही यह उपभोक्ता का विश्वास भी जीतता है। आपका अनुभव, आपकी जरूरतें इन्हीं से बेहतर मानक बनते हैं। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मानकों को ले कर कहे गए शब्दों को दोहराया जिसमें उन्होंने कहा था कि भारतीय मानक अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के समकक्ष हैं। श्री तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह बयान न केवल गर्व की बात है, बल्कि हमारे उद्योगों के लिए एक प्रेरणा भी है। अंत में नए उद्योगपत्तियों को लाइसेंस वितरण कर प्रोग्राम समापन की ओर बढ़ाया गया. कार्यक्रम के दौरान प्रेसिडेंट पंकज गुप्ता (आईएयू), पीएचडी चौम्बर आफ कामर्स अंड इण्डस्ट्री डाइरेक्टर श्री रितेश सिंह ,साथ ही उद्योग जगत से भारी संख्या मे उद्योगपति मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री गणेश जोशी।

06 June 2025_Copy of Layout 1 6/7/2025 10:00 AM Page 2

संपादकीय

9 साल बाद विजय माल्या ने तोड़ी चुप्पी

भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने चार घंटे के वीडियो पॉडकास्ट में दावा किया कि उन्होंने 2012 में अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के पतन के बाद और 2015 के बीच चार बार सेटलमेंट ऑफर दिए, जिन्हें बैंकों ने स्वीकार करने से इनकार कर दिया। 2013 के बाद से पहली बार पॉडकास्टर राज शमनी के साथ बातचीत में माल्या ने कहा कि मेरा हमेशा से सेटलमेंट करने का इरादा था। मैंने कभी नहीं कहा कि मैं भुगतान नहीं करना चाहता। किंगफिशर एयरलाइंस के संस्थापक और पूर्व मालिक ने यह भी कहा कि उन्होंने हैदराबाद में अपने प्रशिक्षण अकादमी में भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष से मुलाकात की थी और सेटलमेंट का प्रस्ताव रखा था, जिसे स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि वे 14,000 करोड़ रुपये चाहते थे, इसलिए उन्होंने स्वीकार नहीं किया। इस वर्ष फरवरी में माल्या ने अपने वकील के माध्यम से कर्नाटक हाई कोर्ट को बताया था कि यद्यपि बैंकों का लगभग 6,200 करोड़ रुपये का बकाया पहले ही वसूल किया जा चुका है, लेकिन 14,000 करोड़ रुपये की वसूली के संबंध में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले वर्ष दिसंबर में लोकसभा में बयान दिया था। माल्या ने कहा कि 17 बैंकों से 6,203 करोड़ का लोन लिया। बैंकों ने संपत्तियों से 14,131.6 करोड़ रुपए रिकवर किए, जो कर्ज से ढाई गुना है। माल्या पर धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, मनी लॉन्ड्रिंग और लोन फंड के डायवर्जन के आरोप हैं। किंगफिशर एयरलाइंस और यूनाइटेड ब्रेवरीज (होल्डिंग्स) लिमिटेड सहित उनकी कुछ कंपनियों पर कंपनी अधिनियम, 2013 और पूंजी बाजार नियामक द्वारा निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन करने का आरोप है। माल्या ने दावा किया कि वह तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी (जो 2009–12 के बीच सेवारत थे) के पास गए और कहा कि उन्हें एयरलाइन्स का आकार छोटा करने की जरूरत है, जो उस समय बहुत अच्छा नहीं चल रहा था।

पौधारोपण के साथ प्रदेशभर में चला मतदाता जागरुकता अभियान

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बी.वी. आर.सी. पुरुषोत्तम के निर्देश पर प्रदेश भर में विश्व पर्यावरण दिवस से वृहद पौधारोपण एवं मतदाता जागरुकता अभियान की शुरुआत हुई। सभी जनपदों में जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी नोडल स्वीप सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं पोलिंग बूथों पर बीएलओ की अगुवाई में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर मतदान की शपथ लेने के साथ ही सभी ने अपने पौधे की सुरक्षा एवं देखभाल की शपथ भी ली। अभियान के शुभारंभ पर प्रदेशभर में लगभग 16 हजार पौधे लगाए गए, वहीं हरेला पर्व तक प्रदेश के सभी पोलिंग बूथों सहित अन्य सरकारी भवनों में 2 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी एवं सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तु दास सहित सचिवालय एथलेटिक्स क्लब के सदस्यों ने सचिवालय परिसर में रुद्राक्ष, नीम सहित अन्य पौधे लगाते हुए मतदान की शपथ भी ली। उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेशवासियों को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि पौधरोपण अभियान से जुड़े सभी प्रमुख विभागों के अधिकारियों के सहयोग से पौधारोपण अभियान के साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। मतदाता जागरुकता एवं पौधारोपण अभियान 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से जुलाई माह में हरेला पर्व तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में 11 हजार 700 से अधिक पोलिंग बूथ हैं, इस अभियान में प्रत्येक पोलिंग बूथ पर 10 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा जाएगा। प्रत्येक पोलिंग बूथ पर सबसे बुजुर्ग, नए एवं महिला मतदाताओं से पौधारोपण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदाता जागरुकता कार्यक्रमों हेतु माहवार थीम तय की गई हैं। जून माह की थीम "एव्री ड्रॉप ऑफ रेन एंड एव्री वोट काउंट्स" एवं जुलाई माह की थीम "हरेला का संदेश, वोट बने विशेष" रखी गई है। इन थीम्स को मतदाता जागरुकता से जोड़ते हुए प्रदेश भर में स्वीप गतिविधियों के माध्यम से संपादित किया जाएगा।

पौधारोपण के साथ मतदाता जागरूकता अभियान चलाते हुए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस : जागरूकता फैलाने के साथ कानूनी सख्ती अब ज़रूरी है

तंबाकू निषेध जनजागरण के दिन अब लद गए,अब तंबाकू विक्रेता व सेवनकर्ता दोनों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्यवाही पर विचार करना समय की मांग

गोंदिया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता फैलाने के साथ कानूनी सख़्ती अब जरूरी है वैश्विक स्तरपर अनेक ऐसी बुराइयों या बुरी आदतों शौक या कार्यकलाप हैं,जिन्हें रोकने के लिए 195 से अधिक देशों की सदस्यता से बना संयुक्त राष्ट्र द्वारा उस आदत, वस्तु को रोकने निषेध दिवस मनाया जाता है, जिसके लिए जन जागरण या निषेध दिवस मनाया जाता है जो काबिले तारीफ है।

उसी कड़ी में 31 मई 2025 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जा रहाहै,जो हर सालमनाया जाता है। परंतु मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनियां के हर देश व हर राज्य द्वारा इससे संबंधित कानूनो में अब संशोधन करने का समय आ गया है।अब तंबाकू और उससे बनी वस्तुओं पर पूरी तरह से बैन और उल्लंघन करने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाए। हालांकि भारत के अनेक राज्यों में तंबाकू व उससे बने पदार्थों पर बैन लगा हुआ है, परंतु उस पर सख़्ती की अत्यंत भारी कमी देखने को मिल रही है।इस संबंधमें इस आर्टिकल को लिखने के पीछे मैं खुद एक हफ्ते से रिसर्च व ग्राउंड रिपोर्टिंग कर रहा था, जिसकी चर्चा हम नीचे के पैराग्राफ में करेंगे, तो मैंने पाया कि तंबाकू विक्रेताओं पर अति सुस्ती से कार्रवाई होती है, मार्केट में खुलेआम तंबाकू बिकते दिखा अनेक गोदाम पैक रखे हुए, विक्रेता मलाई से लबालब शालीनता वाली जिंदगी मे मस्त दिखे। असल में होता यह है कि हफ्ताखोरी के कारण जो रेड होता है, उसकी जानकारी संबंधित ऑनर को उस डिपार्टमेंट के भेदियों से मिल जाती है और माल ठिकाने लग जाता है या सेटिंग से कम दिखाया जाता है, केस ढीला कर दिया जाता है, आरोपी को शीघ्र जमानत मिल जाती है, फिर कारोबार का चक्र उसी तरह चलते रहता है रिकॉर्ड में रेड दिखाई जाती है पर होता जाता कुछ नहीं, यह कहानी मेरा मानना है कि शायद हर जिला प्रशासन में हो सकती है। इस प्रकार के मदिरा व्यापारमें मैंनें अभी तक कोर्ट से सजा नहीं देखी या सुननी है। आरोपी छूट जाता है मामला रफादफा हो जाता है और हम केवल और केवल जागरूकता दिवस, निषेध दिवस मनाते रह जाते हैं जिसपर शायद शासन प्रशासन को गंभीरता से विचार करना जरूरी है। चूंकि 31 मई 2025 को हम तंबाकू निषेध दिवस मना रहे हैं, जबकि जागरूकता दिवस के साथ अति कानूनी सख़्ती भी अत्यंत तात्कालिक जरूरी है, इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, तंबाकू निषेध जनजागरण के दिन लद गए, अब तंबाकू विक्रेता और सेवनकर्ता दोनों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई पर विचार करना समय की मांग है।

साथियों बात अगर मेरे द्वारा दिनांक 23 से 29 मई 2025 तक तंबाकू सेवनकर्ताओं से ग्राउंड रिपोर्टिंग बातचीत की करें तो, मैं सब्जी मंडी, मॉल, सिनेमाघर, पेट्रोल पंप किराना बाजार सहित अन्य कई स्थानों पर दैनिक रूटिंन में जाकर देखा तो अनेकों के हाथ में झिल्ली में लपेटा हुआ या पाउच में डाला हुआ गुटका तंबाकू दिखा। मैंनें जब उनसे बात की तो उन्होंने कहा हमें मालूम है कि पाउच के ऊपर लिखा रहता है तंबाकू सेवन से कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है,परंतु फिर भी हम खा रहे हैं। हालांकि तंबाकू पर यहां बैन लगा हुआ है फिर भी खुले आम विक्रेताओं बीच सेवनकर्ता सेवन कर रहे हैं। जब मैं उनके दांतों के सड़न के बारे में बात की तो उन्होंने कहा तंबाकू से ही सब गए हैं। मैंनें कैंसर की बात की तो उन्होंने कहा आगे चलकर हमें कैंसर हो सकता है, फिर भी बेफिक्र होकर तंबाकू खाते दिखे तो मुझे लगा अब जनजागरण फैलाने के साथ–साथ अत्यंत सख्त कार्रवाई करना लाजमी है और संबंधित विभाग को ऊपर से टारगेटेड कार्रवाई केस देने का दबाव बनाना जरूरी हो गया है परंतु या फिर निक्कमे अधिकारियों का निलंबन करना समय की मांग है, क्योंकि ऐसा हो ही नहीं सकता कि तंबाकू सेवन या विक्रेता के केस ना हो, अधिकारी एक ढूंढेंगे तो हजारे केस मिल जाएंगे, इसका स्वतःसंज्ञान मंत्रालय स्तर से लेना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम 31 मई 2025 को तंबाकू निषेध दिवस मनाने की करें तो, दुनियां भर में हर साल 31 मई को वर्ल्ड नो टोबैको डे या एंटी–टोबैको डे मनाया जाता है। हर कोई जानता है कि तंबाकू खाना उनकी सेहत को कितना नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन इसके बावजूद लोग इसके सेवन से कभी परहेज नहीं करते। इसलिए, तंबाकू विरोधी दिवस पर लोगों को जागरूक करने, तंबाकू को छोड़ने और कभी हाथ नहीं लगाने के लिए जागरूक किया जाता है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2025 का विषय या उसकी थीम तंबाकू उद्योग की दखल से बच्चों की रक्षा करना है, ताकि भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि तंबाकू के इस्तेमाल में गिरावट जारी रहे। इस साल, तंबाकू उद्योग के युवाओं को टारगेट कर बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर ध्यान दिया गया है।विश्व तंबाकू निषेध दिवस का महत्व दिनों–दिन बढ़ता जा रहा है।क्योंकि सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म वगैरह के जरिए दुनियां भर में युवा तेजी से तंबाकू प्रोडक्ट्स के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं। यह उनके स्वास्थ्य और समाज के कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियां भर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि ज्यादातर देशों में 13–15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई 2025–जागरूकता फैलाने के साथ कानूनी सख़्ती अब जरूरी है।तंबाकू उद्योग की दखल से,भविष्य के नेतृत्व बच्चों की रक्षा करना समय की मांग।तंबाकू निषेध जनजागरण के दिन अब लद गए,अब तंबाकू विक्रेता व सेवनकर्ता दोनों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्यवाही पर विचार करना समय की मांग है।

लेखक – कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

06 June 2025_Copy of Layout 1 6/7/2025 10:00 AM Page 3

छोटो-छोटे प्रयासों से लाए जा सकते हैं बदलाव: डीएम

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित राशि वाटिका में जिलाधिकारी सविन बंसल ने आज नंदा–सुनंदा की लाभार्थी बालिकाओं एवं आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर के बच्चों तथा शिशु सदन एवं बालिका निकेतन की बालक बालिकाओं संग वृक्षारोपण किया।

इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी बच्चों एवं अधिकारियोंध्कार्मिकों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई, तथा पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने को प्रेरित किया साथ ही जुट के थेले वितरित किए। इस अवसर पर अर्जुन, आंवला, जामुन, अमरूद, मोलश्री के पेड़ लगाए। जिलाधिकारी ने कहा कि हम अपने छोटे–छोटे प्रयासों से बड़ा बदलाव ला सकते हैं। आपकी एक अच्छी आदत, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और सुरक्षित धरती का निर्माण कर सकती है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से पेड़ लगाने या किसी पौधे की देखभाल करनें, प्लास्टिक का उपयोग कम करें और

जिलाधिकारी पौधारोपण करते हुए।

पुनः उपयोग होने वाली वस्तुएं अपनाने, बिजली और पानी का दुरुपयोग न करने कूड़े को सही जगह पर डालें और कचरा पृथक्करण (सेग्रिगेशन) करने, अपने आसपास हरने वाले दूसरों लोगों को भी पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने बालिकाओं नौनिहालों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ ते साथ ऐसी वस्तुएं जिनसे हमारे पर्यावरण को नुकसान पंहुच रहा है के उपयोग न करने के लिए प्रेरित किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि आज के बच्चें कल के देश के भविष्य हैं। इनमें गुणवत्तायुक्त शिक्षा उचित मानव मूल्य तथा पर्यावरण संरक्षण की ललक जगाना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों से कहा कि आप हमारे देश का भविष्य हैं और पर्यावरण की रक्षा में आपकी भूमिका सबसे अहम है। हम अपने घर को साफ–सुथरा और सुरक्षित रखते हैं, वैसे ही हमें अपने पर्यावरण पेड़, पानी, हवा, भूमि और जानवरों की भी रक्षा करनी चाहिए।

उन्होंने बच्चों से अपेक्षा करते हुए कहा कि आप पर्यावरण के सच्चे प्रहरी बनेंगे और अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। इस अभियान के तहत जिले के सभी 1882 पोलिंग बूथों पर पर्यावरण संरक्षण के साथ निर्वाचन में भागीदारी का संदेश वृक्षारोपण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, निदेशक ग्रामीण विकास अभिकरण विक्रम सिंह, उप जिलाधिकारी मुख्यालय अपूर्वा सिंह, अपर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 सी रावत, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी सीमा नौटियाल, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी पीसी त्रिपाठी सहित कलेक्ट्रेट एवं अन्य विभागों के अधिकारी कार्मिक उपस्थित रहे।

शहर के तीनों निर्माणाधीन ऑटोमेटेड पार्किंग दिखेगा आधुनिक स्वरूप में

देहरादून। देहरादून शहर में निर्माणाधीन स्मार्ट ऑटोमेटेड पार्किंग का कार्य अंतिम चरण पर, जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था को ऑटोमेटेड पार्किंग पर छत लगाने की दी स्वीकृति। मुख्यमंत्री के निर्देश व जिलाधिकारी सविन बंसल के सतत प्रयासों से जनपद देहरादून आधुनिक सुविधायुक्त आटोमेटेड पार्किंग निर्माण कार्य युद्धस्तर पर अग्रसर है। इसी श्रृखला में शहर में शुरूआती चरण में तीन आटोमेटेड पार्किंग कार्य अपने अंतिम चरण हैं। यह आधुनिक सुविधा जल्द ही आमजन को उपलब्ध होने जा रही है। इस अत्याधुनिक पार्किंग से तिब्बती मार्केट के सामने, परेड ग्राउंड, तथा कोरोनेशन अस्पताल परिसर में पार्किंग की समस्या काफी हद तक कम होगी साथ ही जनमानस को सुरक्षित व सुविधाजनक वाहन पार्किंग की मिलेगी। जिलाधिकारी के अभिनव पहल से एक ओर जहाँ कोरोनेशन अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ अब भौतिक ढांचे को भी स्मार्ट बनाया जा रहा है।

अपनी नाबालिग बेटी का यौन शोषण कराने के मामले में महिला-प्रेमी सहित गिरफ्तार

हरिद्वार (नजरिया खबर ब्यूरो)। एक नाबालिग किशोरी ने अपनी मां पर अपने प्रेमी से यौन शोषण कराने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित किशोरी की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

बताया जा रहा है कि आरोपी महिला का काफी समय से अपनी पति से विवाद चल रहा था। वहीं, पीड़िता एक महीने से अपने पिता के साथ ही रह रही थी। इस दौरान वो काफी गुमसुम सी थी। पिता ने बेटी से इसका कारण पूछा, लेकिन बेटी ने जो बताया उसे सुनकर पिता के होश उड़ गए। नाबालिग का आरोप है कि उसकी मां ने अपने प्रेमी और अन्य लोगों से उसका यौन शोषण कराया है। पीड़िता की तरफ से पुलिस को तहरीर भी दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच की और पीड़िता का मेडिकल कराया। इसके अलावा पीड़िता के 164 में बयान भी दर्ज कराए गए हैं। जांच और मेडिकल में सभी आरोप सही पाए गए हैं। इसके बाद पुलिस ने आरोपी मां और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया। साथ ही एक आरोपी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। हरिद्वार के पुलिस कप्तान प्रमेन्द्र डोभाल ने बताया कि रानीपुर थाने में एक मामला हमारे में संज्ञान में आया था, जिसमें नाबालिग बच्ची ने अपनी मां के ऊपर आरोप लगाए थे।

कारगिल शहीदों को सलाम-सेना के जवान पहुंचे घर-घर

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। वो चोटियाँ जहाँ तिरंगा लहराता है, वहाँ एक समय गोलियों की बौछार थी। पर हमारे वीरों ने हिम्मत नहीं हारी, बल्कि दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देकर भारत माता की शान बढ़ाई। कारगिल के उन अमर बलिदानियों को कोटि–कोटि नमन! आगामी 26वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पूरे उत्तराखंड के सभी जिलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय सेना की ओर से उन सभी शहीदों को याद किया, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया। इस आयोजन में सेना के वरिष्ठ अधिकारी, पूर्व सैनिक, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

सेना की ओर से एक जागरूकता अभियान की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में नायब सूबेदार सुधीर चंद्र, और उनके अन्य साथियों ने सैन्य अनुशासन का

स्मृति सम्मान चिन्ह भेंट करते हुए।

परिचय देते हुए 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान अमर शहीदों की बहादुरी को याद किया और उनके परिवारों को सम्मानित किया। जवानों ने कहा ''हम अपने वीर साथियों को भूले नहीं हैं, न कभी भूलेंगे। यह हमारा कर्तव्य नहीं, हमारी भावना है कि हम उनके परिजनों को बताएं–उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया है।''शहीद के परिजन बोले–''पति, बेटा, भाई, तो खो दिया, पर आज महसूस हुआ कि पति, बेटा, भाई अकेला नहीं था। पूरी भारतीय सेना उनके पीछे खड़ी है।''सेना द्वारा देहरादून में कारगिल युद्ध के दो बलिदानियों नायक कृष्ण बहादुर थापा (पैतृक निवास सेलाकुई) तथा गैलेंट्री सेना मेडल राइफलमैन नरपाल सिंह (पैतृक निवास थानो) के घर जाकर उनके परिजनों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

विकसित कृषि संकल्प अभियान: वैज्ञानिकों ने गाँव पहुँच कर सुनीं किसानों की समस्याएं

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदद भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान (आईसीएआर–आईआईएसडब्लूयसी) देहरादून ने उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए सम्बंधित सरकारी विभागों से निरंतर और पारदर्शी सहयोग की अत्यंत आवश्यकता को उजागर किया है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के दौरान किसानों ने लगातार यह बताया कि उन्हें विभागों के अधिकारियों से बहुत सीमित सहायता प्राप्त हो रही है। किसानों को कृषि उत्पादकता में बाधा पहुँचाने वाली कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी की सीमित उपलब्धता के कारण किसानों को उनके लिए लागू योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी बहुत सीमित रूप से उपलब्ध है। इसी प्रकार भौगोलिक बाधाएँ जैसे ऊँचाई, दुर्गम, स्थलाकृति और सीमित सड़क नेटवर्क के कारण सरकारी अधिकारी किसानों के खेतों तक नहीं पहुँच पाते। साथ ही स्टाफ की कमी और अन्य दायित्वों के कारण अधिकारी किसानों को प्रभावी सहायता नहीं दे पा रहे। इन समस्याओं को दूर करने और उच्च अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायता सुनिश्चित की जा सके।

इसी कड़ी में आईसीएआर–आईआईएसडब्लूयसी ने पांच वैज्ञानिक दलों को तीन जून को 13 गाँवों में किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए तैनात किया। इन टीमों ने किसानों की समस्याएँ जानी और पहचानी। इनमें वन्यजीव क्षति में जंगली सूअर, मोर, बंदर, खरगोश और भौंकने वाले हिरण जैसी प्रजातियों द्वारा फसलों को नुकसान प्रमुख है। साथ ही फसल रोग बीन्स, कोलोकेसिया, मक्का, चना, अदरक, गन्ना और पॉपलर जैसी फसलों में रूट रॉट, स्टेम बोरर, सूत्रकृमि, पत्तियों का सूखना और पौधों का मरना भी शामिल है। सिंचाई की चुनौतियों में पर्याप्त सिंचाई की व्यवस्था न होना और जल की कमी शामिल है। बाजार संबंधी समस्याओं में दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण उत्पादन और विपणन में कठिनाई शामिल है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने इन 13 गांवों के 596 किसानों से बातचीत की, उनकी समस्याओं को सुना और स्थल विशेष कृषि सलाह प्रदान की। खरीफ फसलों के लिए वैज्ञानिक सलाह और व्यावहारिक समाधान भी सुझाए गए, ताकि स्थानीय चुनौतियों का समाधान हो सके और उत्पादकता में सुधार हो। विकसित कृषि संकल्प अभियान जो 29 मई से 12 जून तक चल रहा है, किसानों को वैज्ञानिक कृषि ज्ञान और आधुनिक तकनीकों से सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी पहल है। इस अभियान का संचालन डॉ. मदनु (निदेशक) के मार्गदर्शन में डॉ. बांके बिहारी, डॉ. एम. मुरुगानंदम (प्रधान वैज्ञानिक), अनिल चौहान (सीटीओ), इं. अमित चौहान (एसीटीओ), प्रवीण तोमर (एसटीओ) तथा मीना पंत (पीए) द्वारा किया जा रहा है।

06 June 2025_Copy of Layout 1 6/7/2025 10:00 AM Page 4

विश्व पर्यावरण दिवस पर हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण शिक्षा पर परिचर्चा का आयोजन

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट) द्वारा हिमालयन एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान से एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय रहा "हिमालयो नाम नागधिराज मानवता के भविष्य हेतु हिमालय ज्ञान और पर्यावरण को समर्पण।" यह आयोजन विज्ञान धाम, झाझरा स्थित आंचलिक विज्ञान केंद्र में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. रीमा पंत ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए दिन भर की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण शिक्षा एक जीवन कौशल है, और टिकाऊ जीवन शैली के लिए व्यक्तिगत स्तर पर जिम्मेदारी जैसे प्लास्टिक उपयोग में कमी बेहद आवश्यक है। प्रो दुर्गेश पंत, महानिदेशक, यूकॉस्ट ने कहा कि हमें प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए। उन्होंने परिषद द्वारा संचालित पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों जैसे "मा धरा को नमन" और "टोंस नदी पुनर्जीवन कार्यक्रम" का भी उल्लेख किया।

एचएएसटी के अध्यक्ष डॉ. जी.एस. रावत ने हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण शिक्षा के लिए युवाओं को सक्रिय रूप से शामिल करने पर बल दिया। इस अवसर पर आयोजित पैनल चर्चा में प्रो. जी.एस. राजवार, प्रो. आर.सी. शर्मा, प्रो. रीमा पंत, प्रो. आनंद शर्मा और दून विश्वविद्यालय के डॉ. सुनीत नैथानी जैसे पर्यावरणविदों ने भाग लिया। चर्चा में वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और जमीनी स्तर की समझ के माध्यम से पर्यावरणीय साक्षरता को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर विचार किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. आनंद शर्मा ने पर्यावरणीय कारकों की आपसी संबद्धता को समझने के समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. सुनीत नैथानी ने पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को पर्यावरणीय चेतना के निर्माण में महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में यूकोस्ट के संयुक्त निदेशक डॉ. डी.पी. उनियाल ने पर्यावरण शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में विज्ञान संचार और बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तराखंड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने ेज्म्ड शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए स्कूली स्तर से ही पर्यावरणीय जिम्मेदारी विकसित करने हेतु ई–वेस्ट संग्रह अभियान प्रारंभ करने का सुझाव दिया। राज्य मंत्री एवं जलागम के उपाध्यक्ष शंकर कोरंकर ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरणीय चेतना और कचरा प्रबंधन आज की सबसे बड़ी प्राथमिकताएं हैं।

बारिश और बर्फबारी से प्रदेशभर में तापमान में गिरावट

देहरादून। गर्मी के इस सीजन में जब लोग तपिश से बेहाल थे, तब उत्तराखंड की वादियों ने मौसम का ऐसा रुख बदला कि मानों जून में ही बरसात और ठंडक की सौगात मिल गई हो। बीते पांच दिनों से राज्य का मौसम लगातार करवट ले रहा है। जहां ऊंचे पहाड़ी इलाकों में झमाझम बारिश और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी ने सर्दी का अहसास करा दिया है। वहीं मैदानों में भी लोगों को चिलचिलाती धूप और गर्मी से राहत मिली है। देहरादून से लेकर अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ तक, चारों ओर हरियाली और ठंडी हवाओं का असर महसूस किया जा रहा है। पर्यटन स्थलों की रौनक भी लौटने लगी है और पहाड़ों की रूहानी खूबसूरती में मौसम ने चार चांद लगा दिए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक चमोली जिले में अब भी बारिश और बर्फबारी के आसार नजर आ रहे हैं। गुरूवार को भी सुबह से ही बादल छाए हुए हैंध्। पिछले चार दिनों से हेमकुंड साहिब में बर्फबारी हो रही है।

मुख्यमंत्री ने किया पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया है।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें एकजुट होकर प्रकृति के संरक्षण की दिशा में भी चिन्तन करना होगा। पर्यावरण संरक्षण को जीवन से जुड़ा विषय बताते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण उत्तराखण्डवासियों के स्वभाव में है। हरेला जैसे पर्व प्रकृति से जुडने की हमारे पूर्वजों की दूरगामी सोच का ही परिणाम है। पर्यावरण संरक्षण में उत्तराखण्ड़वासियों की अग्रणी भूमिका रही है। प्रदेश सरकार समृद्ध जैव संसाधनों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उत्तराखंड अपनी वन सम्पदा और नदियों के कारण पर्यावरण संरक्षण की मुहिम का ध्वजवाहक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी प्रयासों के साथ ही आम लोगों, जनप्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन चेतना जागृत करने और इसके संवर्द्धन में निरंतर सक्रिय योगदान करना होगा। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के साथ ही नदी और जल स्रोतों की साफ सफाई के लिए भी पूरा प्रयास जरूरी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पर्यावरण में हो रहे बदलावों, ग्लोबल वार्मिंग के साथ ही जल, जंगल, जमीन से जुड़े विषयों पर समेकित चिंतन की भी जरूरत बतायी है।

अनिल बलूनी से मिले बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती

कर्णप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने कर्णप्रयाग में क्षेत्र भ्रमण पर पहुंचे गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी से भेंट की तथा श्री बदरीनाथ एवं केदारनाथ यात्रा का आमंत्रण दिया तथा भगवान बदरीविशाल का प्रसाद भेंट किया।

बीकेटीसी उपाध्यक्ष ने ज्योर्तिमठ आपदा पुनर्निर्माण कार्यों सहित श्री बदरीनाथ धाम में धार्मिक सांस्कृतिक प्रतीकों के निर्माण हेतु केंद्र सरकार एवं सांसद का आभार जताया उल्लेखनीय है कि विगत दिनों उत्तराखंड कैबिनेट की बैठक में केंद्र के सहयोग से श्री बदरीनाथ धाम में सुदर्शन चक्र निर्माण तथा लोटसवाल आदि कार्य शुरू होने के निर्णय हुए है।

सांसद अनिल बलूनी से भेंट करते बीकेटीसी उपाध्यक्ष।

ज्योर्तिमठ आपदा पुनर्निर्माण कार्यों के लिए आभार जताया, ज्योर्तिमठ रविग्राम में स्टेडियम का किया आग्रह

बीकेटीसी उपाध्यक्ष ने रविग्राम ज्योर्तिमठ में स्टेडियम बनवाने हेतु गढ़वाल सांसद से आग्रह किया ।सांसद ने कहा कि वह बीकेटीसी उपाध्यक्ष के अनुरोध पर सकारात्मक कार्यवाही करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अनिल नौटियाल, दायित्वधारी रामचंद्र गौड़, बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कपरवाण, भाजपा नेता सतीश लखेड़ा, विपिन कैंथोला, विनोद नेगी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दमयंती रतूड़ी,नंदी राणा समीर मिश्रा एवं बड़ी संख्या में संगठन पदाधिकारी तथा दायित्व धारी भी मौजूद रहे।

सर्विस ट्रिब्युनल ने निरस्त किये एसएसपी व आईजी के आदेश, ट्रिब्युनल ने माना ऐसे आदेशों को निरस्त किया जाना ही श्रेयस्कर

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड में सरकारी कर्मचारी अधिकारियों के सेवा सम्बन्धी मामलों का निर्णय करने वाले विशेष न्यायालय (ट्रिब्युनल) की नैनीताल पीठ ने एस. एस.पी. उधमसिंह नगर तथा आई. जी. कुमाऊं नैनीताल के पुलिस कांस्टेबल दिनेश कुमार के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही में दिये गये दण्ड आदेश को निरस्त कर दिया।

ट्रिब्युनल की कैप्टन आलोक शेखर तिवारी की बेंच ने इस पुलिस कर्मी की याचिका पर एस.एस.पी तथा आई.जी. के आदेशों को अपास्त किया जाना श्रेयस्कर मानते हुये निरस्त कर दिया है। वर्तमान में चंपावत जिले में तैनात पुलिस कांस्टेबल दिनेश कुमार की ओर से अधिवक्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट ने उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण की नैनीताल बेंच में याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि वर्ष 2021 में जब यह पुलिस कर्मी उधमसिंह नगर जिले में तैनात थे तो डा. प्रेम सिंह राणा, विधायक नानकमत्ता, उधमसिंह नगर के तथाकथित पत्र दिनांक 07ध06ध2021 की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई जिसमें याची सहित विभिन्न पुलिस कर्मियों की सूची दी गयी थी। इस पर एस.एस. पी. उधमसिंह नगर द्वारा जन प्रतिनिधियों से स्थानांतरण के सम्बन्ध में सिफारिश कराकर कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन करने वाले कर्मियों के विरूद्ध जांच कर आख्या उपलब्ध कराने का पुलिस अधीक्षक, नगर रूद्रपुर को आदेशित किया। उन्होंने अपनी जांच आख्या दिनांक 25 अगस्त 2021 में बिना स्वतंत्र साक्ष्यों तथा याची के पक्ष को विचार मे लिये बिना किसी सम्बद्ध कारण को उल्लेखित किये, बिना किसी वैध आधार के याची सहित सभी कर्मियों को दोषी होने का निष्कर्ष दे दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने इस जांच आख्या को आधार बनाते हुये अपने आदेश की चरित्र पंजिका में परिनिन्दा प्रविष्टि अंकित करने के दण्ड का आदेश दे दिया। पुलिस कांस्टेबिल द्वारा इसकी अपील आई. जी. कुमाऊं परिक्षेत्र नैनीताल को की गयी लेकिन उन्होंने भी अपील पर निष्पक्ष रूप से विचार किये बगैर अपने 24ध07ध2023 के अपील आदेश से अपीलं को निरस्त कर दिया। इस पर पुलिस कांस्टेबिल द्वारा अपने अधिवक्ता नदीम उद्दीन के माध्यम से उत्तराखंड लोक सेवा अधिकरण की नैनीताल पीठ में दावा याचिका दायर की गयी। याची की ओर से नदीम उद्दीन ने विभागीय जांच, दण्ड आदेशों व अपील आदेश को निराधार तथा प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन के आधार पर निरस्त होने योग्य बताया। उन्होने न्यायालय का ध्यान इस ओर कराया कि आश्चर्य का विषय यह है कि विधायक के जिस तथाकथित स्थानांतरण अनुशंसा पत्र को आधार बनाकर याची के विरूद्ध दण्डादेश पारित किया गया है उस अनुशंसित स्थान पर याची तीन माह पूर्व से ही कार्यरत चला आ रहा था। इसलिये सिफारिश करवाने या किसी अनुशासनिक अवहेलना का प्रश्न ही नहीं है।

06 June 2025_Copy of Layout 1 6/7/2025 10:00 AM Page 5

पर्यावरण दिवस पर लालकुआं क्षेत्र में विभिन्न संस्थानों ने जगह-जगह किया गया पौधारोपण

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न विभागों एवं संस्थानों में वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, साथ ही भारी संख्या में लोगों ने पौधारोपण करते हुए क्षेत्र वासियों को पर्यावरण बचाने के लिए प्रेरित भी किया।

सेंचुरी पल्य एवं पेपर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद वृक्षारोपण किया गया। संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय कुमार गुप्ता के नेतृत्व में परिसर में अमलताश, अशोक, कनेर, गुलमोहर, करोदा, कचनार एवं नीम के 5000 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर सामाजिक वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष नरेश चंद्रा ने बताया कि सेंचुरी पल्प एवं पेपर ने वर्ष 2024–2025 में 1 करोड़ 11 लाख पौधों का रोपण किया एवं इस वर्ष 2 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रणव शर्मा,

सेंचुरी पेपर मिल में वृक्षारोपण करते अधिकारी एवं कर्मचारीगण।

महेंद्र हरित, अमित गंगवाल, संजय यादव, नरेश चंद्रा, संजय बाजपेयी, अमृत सैनी, अनिल दुबे, राजेश, वंदना, सुस्मिता, चित्रा सहित कई अधिकारीगण तथा श्रम यूनियन के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

यहां लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय परिसर में अमलतास, बेल, बेला, सिल्वर – ओक, गुलमोहर, आदि विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया, इस मौके पर प्राचार्य (डॉ०) प्रो० सीमा श्रीवास्तव द्वारा छात्र– छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक जानकारी दी गयी। इस शुभ अवसर डॉ पूनम मियान, डॉ गीता तिवारी, डॉ हेमचन्द, डॉ पी. सागर, डॉ मनोज जोशी, डॉ आरके सिंह. डॉ गीता भट्ट सहित विभिन्न कक्षाओ के छात्र छात्राऐ उपस्थित थे। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की 34 वीं बटालियन में कमांडेंट अनिल बिष्ट के नेतृत्व में हिमवीरों द्वारा सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दर्जनों छायादार, फलदार एवं शोभा दर वृक्षों का रोपण किया गया।

इसके अलावा नगर पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह लोटनी और अधिशासी अधिकारी राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

चमोली में पर्यावरण के प्रति किया जागरूक

चमोली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी संदीप तिवारी के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारीध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश ने निर्वाचन कार्यालय परिसर और ईवीएम वेयरहाउस परिसर में फलदार वृक्ष का रोपण किया। पौध रोपण करने के साथ ही इसकी देखभाल करने का संकल्प लिया और निर्वाचन विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को पौधरोपण करने की शपथ भी दिलायी।

नैनीताल चीफ ट्रेजरर को हाईकोर्ट से झटका, कोर्ट ने नहीं दी जमानत

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने विजिलेंस टीम नैनीताल के मुख्य कोषाधिकारी नैनीताल और अकाउंटेंट कोषागार नैनीताल को एक लाख 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े जाने के मामले पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने फिलहाल मुख्य कोषाधिकारी दिनेश राणा को जमानत नहीं देते हुए कहा कि जांच अधिकारी को 5 जून को रिकॉर्ड के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश हों। सुनवाई के दौरान आरोपी की तरफ से कहा गया कि की उन्हें इस मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है। जबकि उसने शिकायतकर्ता की एसीपी का क्लेम की फाइल पहले ही वापस लौटा दी थी। इससे नाराज होकर उसने यह षडयंत्र रचा गया। जो पैसों की रिकवरी हुई वह अकाउंटेंट के दराज से हुई। जबकि सरकार की तरफ से कहा गया कि जब मामले की जांच हुई तो पाए गए नोटों पर अकाउंटेंट और मुख्य कोषाधिकारी के उंगलियों के निशान पाए गए।

ईद उल जुहा पर्व को लेकर कोतवाली पुलिस में की पीस कमेटी की बैठक

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। आगामी ईद उल जुहा पर्व को लेकर कोतवाली लालकुआं में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उक्त पर्व को लेकर होने वाली व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया।

ईद उल जुहा पर्व को लेकर स्थानीय कोतवाली में आयोजित पीस कमेटी की बैठक के दौरान कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक दिनेश फर्त्याल ने पीस कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए मुस्लिम समुदाय के लोगों से उक्त पर्व के दिन उनकी समस्याएं पूछी, जिसमें पेयजल और विद्युत के साथ–साथ कुर्बानी के कूड़ा निस्तारण को लेकर विद्युत विभाग एवं जल संस्थान के अधिकारियों से विस्तृत बातचीत की तथा बिजली और पानी के लिए पर्व के दिन ध्यान रखने को कहा, इस मौके पर नगर पंचायत के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह लोटनी द्वारा कुर्बानी का कूड़ा निस्तारण का विस्तृत प्रबंध करने का आश्वासन दिया।

इस मौके पर जामा मस्जिद के सदर सफी अहमद, रोशन मस्जिद के सदर ख्वाज अहमद, अब्दुल हफीज, निसार अहमद, अकरम खान, मजाहिर खान, लालकुआं तहसील के रजिस्ट्रार कानूनगो मोहित बोरा, उप राजस्व निरीक्षक पूजा रानी, विद्युत विभाग के अवर अभियंता इंतजार अली, उत्तराखंड जल संस्थान के कनिष्ठ अभियंता सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर लोक कल्याण सेवा समिति के नेतृत्व में वन विभाग सहित विभिन्न संगठनों ने किया वृक्षारोपण

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनकल्याण लोक. सेवा समिति के नेतृत्व में बन विभाग गौचर सहित विभिन्न संगठनों के सदस्यों व समाजिक कार्यकर्ताओं ने गौचर मेला मैदान के चारों ओर पौधारोपण कार्य किया गया।

धनपुर वन रैंज गौचर के सहयोग से जनकल्याण लोक सेवा समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने गौरव सैनानी संगठन गौचर व शिक्षक – शिक्षिकाओं ने गौचर मैदान के किनारे – किनारे ट्री गार्ड के साथ बृक्षारोपण किया और सभी ने सपथ ली कि जब तक पौधे बडे नही हो जाते तब तक इनकी देखभाल पानी देना, खरपतवार निकालना हम सबकी जिम्मेदारी होगी।

बृक्षारोपण कार्यक्रम में जनकल्याण लोक सेवा समिति के अध्यक्ष सुनील पंवार, सचिव सुवेदार कुशाल सिह नेगी, गौरव सैनानी संगठन के अध्यक्ष बीरपाल सिह नेगी, सचिव मातबर कनवासी, दिलबर सिह, जनकल्याण लोक सेवा समिति के उपाध्यक्ष अर्जुन नेगी, उपाध्यक्ष सुनील शाह, पुष्पा शाह, उपाध्यक्ष गिरीश शाह, इन्दू पंवार, सरिता रावत, नन्दी देबी, दीपा देबी , कोषाध्यक्ष मंजू नेगी , यूथ विंग के अध्यक्ष मनीष कोहली, मीडिया प्रभारी पूर्व सैनिक गोविन्द बिष्ट, महिला विंग के अध्यक्ष बीना देबी, उपाध्यक्ष सरिता भण्डारी, आनन्द कण्डारी , सूर सिह नेगी, बबली देबी, लक्ष्मी प्रसाद खाली , शिक्षिका गीता चन्द्रा, व्यायाम शिक्षक राजेन्द्र नेगी, रेखा नेगी, सावित्री चौधरी, पप्पू बिष्ट , सभासद बिनीत रावत, कार्तिक पंवार, महांबीर खत्री, प्रमिला पुरोहित, आदि मौजूद रहे।

लालकुआं पहुंचे नवनियुक्त उत्तराखंड किसान आयोग के अध्यक्ष अजीत चौधरी का हुआ भव्य स्वागत

लालकुआं (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड किसान आयोग के अध्यक्ष (दर्जा राज्य मंत्री) अजीत चौधरी के पहली बार लालकुआं पहुंचने पर लालकुआं, बिंदुखत्ता और बरेली रोड क्षेत्र में भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर अजीत चौधरी ने राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की क्षेत्रवासियों को जानकारी दी।

उत्तराखंड किसान आयोग के अध्यक्ष अजीत चौधरी का बिन्दुखत्ता भाजपा मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंडल के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया।

पहली बार लालकुआं पहुंचे उत्तराखंड किसान आयोग के अध्यक्ष अजीत चौधरी क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए।

नगर पंचायत लालकुआं की बोर्ड द्वारा भी अजीत चौधरी का स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह लोटनी, सभासद धन सिंह बिष्ट, हेमंत पांडे, योगेश उपाध्याय, सुरेश शाह, शबनम और भुवन पांडे ने स्वागत किया। बरेलीरोड क्षेत्र के हैड़ा गज्जर गांव में हल्दूचौड़ मंडल के अध्यक्ष रोहित दुम्का के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा लालकुआं के ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र होली ट्रिनिटी स्कूल में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं, ट्रांसपोर्टरों सहित तमाम लोगों ने अजीत चौधरी का भव्य स्वागत किया, इस मौके पर उन्होंने उत्तराखंड सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक डॉ मोहन बिष्ट, मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, महामंत्री राजकुमार सेतिया, बॉबी संभल, वरिष्ठ युवा भाजपा नेता दीपेंद्र कोश्यारी, चौधरी सर्वदमण सिंह, पवन कुमार चौहान, हरीश नैनवाल, महेश चौधरी, संजय अरोड़ा, नारायण सिंह बिष्ट, निशा जोशी, तारा पांडे और भावना मेलकानी सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि अजीत चौधरी लालकुआं नगर के ही निवासी हैं, तथा राज्य मंत्री बनने के बाद वह पहली बार आज लालकुआ नगर में पहुंचे थे।

06 June 2025_Copy of Layout 1 6/7/2025 10:00 AM Page 6

विश्व पर्यावरण दिवस पर अरुणोदय धर्मशाला परिसर में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हल्द्वानी (नजरिया खबर ब्यूरो)। अरुणोदय संस्था द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस' के पावन अवसर पर अरुणोदय धर्मशाला परिसर में पर्यावरण जागरूकता का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके तहत पर्यावरण संरक्षण पर 'विचार गोष्ठी' एवं 'काव्य संध्या' के माध्यम से जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण के महत्व को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

मुख्य अतिथि पर्यावरणविद् डॉ बी एस कालाकोटी, मुख्य वक्ता पर्यावरण प्रेमी डॉ आशुतोष पन्त, कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो पी सी बाराकोटी,मेजर तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा डॉ पुष्पलता जोशी पुष्पांजलि ने मां सरस्वती की वंदना की।पर्यावरण विषय पर हुई गोष्ठी में बोलते हुए मुख्य वक्ता डॉ आशुतोष पन्त ने स्वच्छ पर्यावरण के लिए पेड़ों का महत्व एवं भूमिगत जल को संरक्षित करने की सरल तकनीकी से अवगत कराया। मुख्य अतिथि डॉ बी एस कालाकोटी ने पर्यावरण पर किये गये शोधों के आधार पर अनेक महत्वपूर्ण तथ्यों को उजागर करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए उपाय सुझाये कि प्लास्टिक का उपयोग ना करें, प्राइवेट गाड़ियों के बजाय सार्वजनिक बसों से यात्रा करें, पेड़ पौधे व वन्यजीवों को बचाकर ही हम स्वच्छ पर्यावरण विकसित कर सकते हैं। मेजर तिवारी ने अपने संदेश में कहा कि सभी को सौर ऊर्जा एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगाने चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व उच्च शिक्षा निदेशक प्रो पी सी बाराकोटी ने सभी से विशेष रूप से युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के उपायों को आत्मसात करने की अपील की।

इस अवसर आयोजित काव्य संध्या में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के लिए दिल छूने वाले संदेश दिये। कार्यक्रम के संचालक बिपिन चन्द्र पाण्डे ने वृक्षारोपण पर कटाक्ष करते हुए कहा ष्मेरा ये संदेशा सबको सुनाना कि कागजों में नहीं पेड़ जमीं पे लगानाष्, डॉ पुष्पलता जोशी पुष्पांजलि ने सुनायाष्उत्तराखंड निज देवभूमि है,इसको मुखरित करना होगा, दूर प्रदूषण करके सबको,इसको स्वर्ग बनाना होगा।ष् जीवन चन्द्र जोशी विनायक ने सुनायाष् वृक्ष लगेंगे हरियाली होगी, बादल निरन्तर बरसते रहेंगे।ष् डॉ दीपा काण्डपाल ने कहाष् सारी तपन,घुटन मिट जाये सुख दुख कहते सुनते।ष् कश्यप वीरा ने सुनायाष् धरती माता रो रही,सुना रही है पीर, जंगल काटे जा रहे दूषित हो रहा नीर।ष्

इस अवसर पर अरुणोदय न्यास के अध्यक्ष जीवन सिंह रावत, संगठन प्रभारी राजकुमार केसरवानी,तारा दत्त पाण्डे ,महामंत्री लतेश मोहन, कोषाध्यक्ष एम बी जोशी, जितेन्द्र रौतेला, नवीन चन्द्र तिवारी,नेत्र बल्लभ जोशी, मधुसूदन लोहनी, दीपक नेगी, कैलाश तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान खाट पर बैठकर करेंगे किसानों से संवाद

देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 6 जून को एक दिवसीय दौरे पर देहरादून आ रहे हैं। इस दौरान वे जनपद देहरादून के डोईवाला विकासखण्ड के थानों के निकट पाववाला सौड़ा गांव में आयोजित किसान चौपाल में प्रतिभाग करेंगे, जहां पर वह खाट पर बैठकर किसानों के साथ संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम की खास बात यह होगी कि केंद्रीय कृषि मंत्री खाट पर बैठकर किसानों से सीधा संवाद करेंगे और उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुनेंगे। दोपहर में केन्द्रीय कृषि मंत्री लाल बहादुर शास्त्री भारतीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे, होंगे। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने इस कार्यक्रम को लेकर संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम किसानों के साथ संवाद स्थापित करने और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण अवसर है।

चमोली में कोविड से सम्बंधित व्यवस्थाओं का जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने लिखा जायजा

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। भारत सरकार से कोविड से सबंधित प्राप्त एडवाइसरी के क्रम में आज दिन गुरुवार को जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने जनपद चमोली में कोविड से सम्बंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जिला अस्पताल सहित जिले के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी डॉक्टरो से उनके यंहा बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर, कोविड जांच किट, मास्क पर्याप्त मात्रा में होने कि जानकारी ली और आइसोलेशन वार्ड की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी डॉक्टरों को निर्देश दिए कि इनफ्लूइंजा से बीमार संदिग्ध पेसेंट का नाम, मोबाइल नंबर, पता, उनकी संख्या व उनकी ट्रेवल हिस्ट्री नोट करें, उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य केन्द्रो में रैपिड एंटीजेन जाँच किट उपलब्ध करवाये। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रो में ऑक्सीजन सिलेंडर, पल्स ऑक्सीमीटर की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पीएचसी देवाल के डॉक्टर विजय वृत्त को अस्पताल से अनुपस्थित पाए जाने और अपने दायित्वों का निर्वहन न करने के कारण उनके एक दिन का वेतन काटने और सर्विस ब्रेक करने हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक गुप्ता और वर्चुअल माध्यम से जिले के सीएचसी और पीएचसी के डॉक्टर जुड़े रहें।

11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर पोखरी विकासखंड मुख्यालय पर हुआ योगाभ्यास कार्यक्रम

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। 21 जून को आयोजित होने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रमों की श्रृंखला में गुरुवार को जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग चमोली तथा जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ० श्रवण कुमार त्रिपाठी एवं ब्लॉक स्तरीय नोडल अधिकारी पोखरी डॉ० जयदीप चन्द्र आर्य के निर्देशन में योग दिवस का कार्यक्रम यहां देवस्थान ग्राम पंचायत के ओडिटोरियम –पंचायत भवन में किया गया। जिसमें योग अनुदेशक पूनम राणा,और अंकित सिंह के द्वारा ग्रामीणों और क्षेत्रीय जनता को तमाम योगासन भुजंगासन, अलोम–विलोम, भस्त्रिका, सूर्य नमस्कार, कपालभाती आदि का

योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य वत्सला सती ,नगर पंचायत पार्षद रामेश्वरी सती, एवं महिला मंगल दल अध्यक्ष कविता सती द्बारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य वत्सला सती ने कहा कि शरीर को चुस्त–दुरुस्त रखने के लिए योगाभ्यास महत्वपूर्ण है। योग करने से शारीरिक व मानसिक रूप से मनुष्य स्वस्थ रहता है, योग ही जीवन में मजबूती के साथ खुशहाली लाता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और क्षेत्रीय जनता ने भाग लिया ।

जिला गंगा समिति, विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता रैली, स्वच्छता अभियान एवं शपथ समारोह का आयोजन

हल्द्वानी (नजरिया खबर ब्यूरो)। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर 'जिला गंगा समिति, नैनीताल' के तत्वावधान में हल्द्वानी शहर में 'जागरूकता रैली', 'वृक्षारोपण अभियान', 'स्वच्छता अभियान' एवं 'गंगा स्वच्छता तथा पर्यावरण शपथ' समारोह का भव्य आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना, गंगा नदी की स्वच्छता सुनिश्चित करना तथा जनमानस को इसके लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत गजराज सिंह बिष्ट, 'महापौर, हल्द्वानी–काठगोदाम नगर निगम', एवं 'नगर आयुक्त ऋचा सिंह' द्वारा की गई। उन्होंने रैली में भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति युवाओं और नागरिकों को जागरूक किया। इस आयोजन में मनोज नेगी, 'अध्यक्ष, गो क्लीन गो ग्रीन एनजीओ', एवं उनकी 'समर्पित टीम' ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सहयोग से कार्यक्रम का समुचित संचालन और सफल आयोजन संभव हो सका। रैली में हल्द्वानी के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने सहभागिता की और पर्यावरण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता के संदेश दिए। रैली के उपरांत विभिन्न स्थलों पर 'वृक्षारोपण' किया गया और 'स्वच्छता अभियान' चलाया गया, जिसमें प्लास्टिक कचरा हटाने, साफ–सफाई एवं अपशिष्ट प्रबंधन पर बल दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत एक 'शपथ ग्रहण समारोह' भी आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित छात्रों, अधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं आम नागरिकों ने 'गंगा स्वच्छता शपथ' एवं 'पर्यावरण शपथ' ली। इस शपथ के माध्यम से सभी ने यह संकल्प लिया कि वे जल स्रोतों को प्रदूषित नहीं करेंगे, पेड़–पौधों की सुरक्षा करेंगे, और पर्यावरण को किसी भी प्रकार की हानिकारक गतिविधियों से बचाएंगे। 'जिला गंगा समिति, नैनीताल' द्वारा आयोजित यह बहुआयामी कार्यक्रम न केवल पर्यावरणीय चेतना को प्रोत्साहित करने में सफल रहा, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को स्वच्छता, हरियाली और टिकाऊ जीवनशैली अपनाने के लिए एकजुट किया।

06 June 2025_Copy of Layout 1 6/7/2025 10:00 AM Page 7

डॉ. आहुजा पैथोलॉजी एण्ड इमेजिंग सेन्टर ने मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर से की साझेदारी, नए सेंटर्स शुरू किए जाएंगे

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। देहरादून की प्रमुख डायग्नोस्टिक चेन डॉ. आहुजा पैथोलॉजी एण्ड इमेजिंग सेन्टर (डीएपीआईसी) ने देश की दूसरी सबसे बड़ी डायग्नोस्टिक कंपनी मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर ग्रुप के साथ साझेदारी की है।

यह गठजोड़ बिजनेस ट्रांसफर एग्रीमेंट के तहत हुआ है, जिसके तहत डीएपीआईसी की क्षेत्रीय पहुंच को मेट्रोपोलिस की वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञता से जोड़ा जाएगा। इसका उद्देश्य राज्य भर में उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती और आधुनिक जांच सेवाओं को और अधिक लोगों तक पहुंचाना है। इस समय डीएपीआईसी देहरादून में दो एनएबीएल–मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएं और नौ रोगी सेवा केंद्र संचालित कर रहा है, जबकि मेट्रोपोलिस के पास एक लैब और छह केंद्र हैं। इस साझेदारी से दोनों का संयुक्त नेटवर्क मजबूत होगा और

पत्रकार वार्ता के दौरान डा. आहुजा व डॉ. कीर्ति चड्ढा।

अगले तीन वर्षों में लगभग 100 नए केंद्रों को खोलने की योजना है। ये सेवाएं हरिद्वार, ऋषिकेश, रुड़की, नैनीताल, मसूरी, अल्मोड़ा, रुद्रपुर और खटीमा जैसे 20–25 शहरों तक पहुंचेंगी, जिससे लोगों को उनके घर के पास ही जरूरी स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल सकेगी।

अगले एक साल में, डीएपीआईसी मेट्रोपोलिस के 4,000 से अधिक डायग्नोस्टिक टेस्ट का उपयोग करते हुए अपनी सेवाओं को दोगुना करने जा रही है। इसमें पाचन, गुर्दा, तंत्रिका तंत्र, कैंसर, महिला और बाल स्वास्थ्य, संक्रामक रोगों और आणविक जांच (मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स) जैसी खास जांचें शामिल होंगी। अब तक ये टेस्ट केवल बड़े शहरों में उपलब्ध थे, लेकिन अब ये स्थानीय स्तर पर भी सुलभ होंगे, जिससे मरीजों को तेज निदान और बेहतर इलाज का रास्ता मिलेगा।

इस साझेदारी से ग्राहकों को कई तकनीकी रूप से उन्नत और सुविधाजनक सेवाएं मिलेंगी–जैसे घर से सैंपल कलेक्शन, ऑनलाइन बुकिंग और भुगतान, और अस्पतालों व लैब्स के लिए ऐप आधारित ट्रैकिंग सिस्टम। डीएपीआईसी के बिजनेस पार्टनर्स के लिए भी एक खास पार्टनर मैनेजमेंट पोर्टल तैयार किया जाएगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता और मुनाफा बढ़ सके। इसके साथ ही ट्रूहेल्थ्यन्न् वेलनेस पैकेज पेश किए जाएंगे, जो विशेष रूप से युवा और कामकाजी लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं, ताकि लोग अपनी सेहत के प्रति सजग रहें।

इस साझेदारी को लेकर डॉ. आहुजा पैथोलॉजी एण्ड इमेजिंग सेन्टर के संस्थापक डॉ. आलोक आहुजा ने कहा, डीएपीआईसी में हमने हमेशा सटीक जांच और समुदाय की सेवा को प्राथमिकता दी है, और यही हमारे भरोसे की बुनियाद है। मेट्रोपोलिस के साथ यह साझेदारी हमें उत्तराखंड के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाने में मदद करेगी।

अवीवा इंडिया ने जारी किए मजबूत नतीजे, सतत विकास पर रहा फोकस

देहरादून। अवीवा इंडिया ने वित्त वर्ष 2024–25 के लिए अपने वित्तीय नतीजे जारी कर दिए हैं। इन नतीजों से कंपनी की निरंतर प्रगति और सतत विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है।

बीता वित्त वर्ष केवल आंकड़ों पर निर्भर रहने का नहीं, बल्कि स्थिर और मजबूत पकड़ बनाने का साल था। कंपनी का हर फैसला विशेष उद्देश्य से लिया गया और हर परिणाम लॉन्ग टर्म वैल्यू (लंबी अवधि में बेहतर मूल्य) के अनुरूप था। वित्त वर्ष 2023–24 में तैयार की गई नींव पर आगे बढ़ते हुए अवीवा ने स्मार्टर प्रोडक्ट्स, बेहतर एक्जीक्यूशन और पूरे भारत में ग्राहकों के साथ गहरे भावनात्मक जुड़ाव के माध्यम से अपने मूलभूत सिद्धांतों को मजबूत किया। वैसे तो कंपनी का ग्रॉस रिटेन प्रीमियम 1307 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा, लेकिन अवीवा ने डिस्ट्रीब्यूशन आधारित मॉडल से ज्यादा प्रोडक्ट–ड्रिवेन एवं कस्टमर सेंट्रिक अप्रोच की ओर कदम बढ़ाया है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ धामी सरकार का अभियान अभूतपूर्वः विधायक विनोद चमोली

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। भाजपा विधायक विनोद चमोली ने कहा कि पूर्व सीएम हरीश रावत क्या सीबीआई पर भरोसा करते हैं? अगर, हां तो खुद के मामले मे सीबीआई की जांच को वह राजनीति से प्रेरित और एजेंसी पर भरोसा न होने की बात कहते रहे हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ धामी सरकार का अभियान अभूतपूर्व है और उसमे आशंका की लैस मात्र गुंजाइश नही है।

चमोली ने कहा कि हरिद्वार मे नगर निगम मामले पर अधिकारियों पर कार्यवाही जीरो टॉलरेंस का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि धामी सरकार मे जहाँ भी भ्रष्टाचार की शिकायत संज्ञान मे आ रही है तो कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। अब तक 200 से अधिक लोगों को भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों मे सलाखों के पीछे भेजा गया। नकल विरोधी कानून अस्तित्व मे आया तो नकल के सिंडिकेट तहस नहस कर आरोपियों को जेल भेजा गया। किसी भी जांच मे समानता के आधार पर पारदर्शी नीति का अनुपालन करते हुए छोटे बड़े का भेद न कर कार्यवाही अमल मे लायी गयी। चमोली ने कहा कि भाजपा सरकार मे भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नही है। जांच एजेंसियों को फ्री हैंड दिया गया है। धामी सरकार ने कई नजीर प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम हरीश रावत खुद सीबीआई जांच का सामना कर रहे हैं, लेकिन वह सीबीआई पर संदेह जताते रहे हैं। पूर्व सीएम को यह साफ करना चाहिए कि क्या उन्हे सीबीआई पर भरोसा है।

वन अनुसंधान संस्थान ने उत्साह के साथ मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। वन अनुसंधान संस्थान (एफ.आर.आई), देहरादून ने विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर समूह समन्वयक अनुसंधान, एफ.आर.आई.डी.यू. के डीन एवं रजिस्ट्रार, एफ.आर.आई के रजिस्ट्रार, विभिन्न प्रभागों के प्रमुख, वैज्ञानिक, अधिकारी, शोधकर्ता, संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे।

इस वर्ष की थीम "वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करना" था। समारोह की शुरुआत विस्तार प्रभाग की प्रमुख ऋचा मिश्रा द्वारा सभी उपस्थित जनों के स्वागत से हुई। इसके बाद रसायन एवं जैव–संधान प्रभाग के प्रमुख एवं वैज्ञानिक–जी डॉ. विनीत कुमार ने "प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करना" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर 3 जून

वन अनुसंधान संस्थान के कर्मी।

को क्विज प्रतियोगिता और 4 जून को सफाई अभियान सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें एफ.आर.आई. और एफ.आर.आई.डी.यू. के विभिन्न प्रभागों के कर्मचारी एवं शोधार्थी शामिल हुए। वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ. रेनू सिंह, आई.एफ.एस. ने विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. रेनू सिंह ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक बन गया है। उन्होंने बताया कि वन अनुसंधान संस्थान ने पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देने, जैव अपघट्य सामग्री पर अनुसंधान को समर्थन देने, और एकल–उपयोग वाली प्लास्टिक के उन्मूलन की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं।

सात सौ गांवों का भ्रमण के बाद रानीगढ़ पट्टी की आराध्य देवराड़ी देवी की देवरा यात्रा हुई संपन्न

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। रानीगढ पट्टी की आराध्य देवराड़ी देवी अपनी छह माह की देवरा यात्रा में 700 गांवों का भ्रमण करते हुऐ नौ दिवसीय बनातोली मंण्डप महोत्सव संपन्न होने के बाद आज गुरूवार को अपने मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो गई है।

गुरूवार को प्रातः से ही नित्य क्रिया कलापों के साथ पंडित पुजारी शक्ति प्रसाद देवली, प्रकाश देवली, ओमप्रकाश देवली, भवानी प्रसाद देवली, केशवानंद केडियाल, टीका प्रसाद नौटियाल आदि के द्वारा देवी मां की पूजा हवन यज्ञ अनुष्ठान किया गया। 8 बजे से 10 बजे तक देवी देवताओं का नृत्य और ऐरवालों की विदाई तथा देवगोटपनेरा में स्नान के साथ ही देवराड़ी देवी अपने मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो गई। इस अवसर पर भारी संख्या में मौजूद देवी भक्तों व श्रद्धालुओं ने देवी मां से क्षेत्र गांव व अपने घरों में सुख समृद्धि और खुशहाली बनी रहने की मनौतियां मांगी। देवी मां भी अपने पाश्व पर अवतरित होकर प्रसाद के रूप में अपने धियाड़ियो सहित सभी श्रद्धालुओं को फल इत्यादि देकर आशीर्वाद दिया। देवरा यात्रा समापन के इस मौके पर ऐरवालों की विदाई का दृश्य बहुत ही भावुक रहा महिलाओं सहित महोत्सव में उपस्थित सभी की आंखें नम हो गई। लोगों ने देवी के भाई लाटू व सिगंलाश देवताओं की पूजा अर्चना कर उनसे भी आशीर्वचन प्राप्त किया। देवी के मंदिर में विराजमान होने के बाद हुऐ यज्ञ पूर्णाहुति और भंडारे के साथ देवरा यात्रा संपन्न हो गई।

बन्याथ की समाप्ति के इस मौके पर स्थानीय विधायक अनिल नौटियाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी, जयकृत बिष्ट, अजय किशोर भंडारी, नवीन टाकुली, महेंद्र राणा, महोत्सव समिति के संरक्षक राजेन्द्र सिंह बिष्ट, अध्यक्ष उम्मेदसिंह चौधरी, राजपाल बिष्ट, पंडित जगदम्बा प्रसाद, कृष्ण चंद्र केडियाल, ओम देवली, विनोद देवली, नरेन्द्र प्रसाद देवली, जगदीश देवली, लखपत सिंह चौधरी, दिगम्बर बिष्ट, विक्रम बिष्ट भरत सिंह बिष्ट, बख्तावर सिंह सिंह, प्रदीप चौधरी, प्रेम सिंह बिष्ट, वीर सिंह, गंगा सिंह चौधरी, सुभाष चमोला, धूम सिंह चौधरी, जयपाल राणा सहित सैकड़ों श्रद्धालुजन मौजूद थे।

06 June 2025_Copy of Layout 1 6/7/2025 10:00 AM Page 8

उत्तराखंड को डिजिटल टैलेंट केंद्र बनाने के लिए भी किया समझौता

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के उपस्थिति में बुधवार को सचिवालय में तीन महत्वपूर्ण समझौते किये गये। उत्तराखंड सरकार, सेतु आयोग और टाटा ट्रस्ट ने सामाजिक विकास के क्षेत्रों में कार्य के लिए समझौता किया गया।

उत्तराखंड को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत का प्रमुख कौशल केंद्र बनाने की दिशा में सेतु आयोग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग और नैस्कॉम / आई टी–आई टी ई एस सेक्टर स्किल काउंसिल के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य को उभरती टेक्नोलॉजी और छात्रों के रोजगार परक व्यक्तित्व विकास के लिए कौशल विकास केंद्र बनाने के लिए भी सेतु आयोग, उच्च शिक्षा विभाग और वाधवानी फाउंडेशन के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। उत्तराखंड में सामाजिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए टाटा ट्रस्ट के साथ 10 साल के लिए किए गए समझौते के तहत जल प्रबंधन, पोषण, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण आजीविका और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम किया जाएगा। उत्तराखंड को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रमुख कौशल केंद्र बनाने के लिए नैस्कॉम के साथ हुए समझौते के तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी उच्च शिक्षण संस्थानों में कोर्सेस को शैक्षणिक क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा और प्रत्येक जिले में एक मॉडल कॉलेज को 'मेंटर संस्थान' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य राज्य के लगभग 1.5 लाख छात्रों को फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, पायथन, जनरेटिव जैसे क्षेत्रों में जानकारी और कौशल विकास करना है।

उत्तराखंड को उभरती टेक्नोलॉजी और छात्रों के रोजगार परक व्यक्तित्व विकास के लिए कौशल विकास केंद्र बनाने हेतु वाधवानी फाउंडेशन के साथ तीन वर्षों के लिए किये गये समझौते के तहत राज्य के सभी सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में कोर्सेस को अगले सत्र से शैक्षणिक क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य राज्य के लगभग 1.20 लाख छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित व्यक्तित्व विकास और स्वरोजगार सम्बंधित कौशल विकास में सहायता प्रदान करना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सामाजिक विकास, राज्य को डिजिटल टैलेंट का केन्द्र बनाने और एआई आधारित व्यक्तित्व विकास के आधुनिक कोर्स प्रारंभ करने के लिए आज हुए तीनों समझौते राज्य के लोगों के लिए अत्यधिक उपयोगी होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तरखण्ड को हर क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा समाज के अंतिम छोर के लोगों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। राज्य के समग्र विकास के लिए हर क्षेत्र और वर्ग के लोगों को साथ लेकर अनेक नई पहल की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये समझौते उत्तराखण्ड में आधुनिक कौशल से परिपूर्ण मानव संसाधन को तैयार करने और राज्य को आधुनिक एआई व साइबर सिक्योरिटी हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हरिद्वार भूमि घोटाले में पूर्व सीएम हरीश रावत ने सीबीआई जांच की मांग उठाई

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने हरिद्वार भूमि घोटाले की न्यायिक देखरेख में सीबीआई जांच कराने की मांग सरकार से की है। उन्होंने कहा कि इस घोटाले के पीछे सफेदपोश व्यक्तियों की संलिप्तता दिखती है।

उन्होंने पंचायत चुनाव नहीं कराने को बड़ी चूक बताते हुए कहा कि इस मामले में जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का हरिद्वार भूमि घाटाला मामले पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि यह अत्यधिक गंभीर मामला है। यह बड़ा भ्रष्टाचार है। हरीश रावत ने कहा कि भूमि घोटालों की जांच या तो जज की देख–रेख कराई जाए, वरना उच्चस्तरीय एसआईटी गठित हो या फिर सीबीआई से मामले की जांच कराई जाए। जो भी जांच हो वह कोर्ट की देखरेख में होनी चाहिए। वहीं हरीश रावत ने आरोप लगाते हुए कहा कि एक बात शर्तिया है कि ऐसा खुला घोटाला, एक–दो, तीन अधिकारी नहीं कर सकते। राजनीतिक संरक्षण या संलिप्तता, दोनों में से एक अवश्य है। चाहे कपड़ों का रंग कैसा ही क्यों न हो।बता दें कि हरिद्वार जमीन घोटाले में धामी सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन जून को हरिद्वार के तत्कालीन जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह, तत्कालानी हरिद्वार नगर आयुक्त आईएएस वरुण चौधरी और पीसीएस अधिकारी अजय वीर समेत सात अधिकारियों को निलंबित किया।

मसूरी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की मंत्री जोशी ने की समीक्षा

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कैंप कार्यालय में सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने मसूरी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली। मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विधानसभा क्षेत्र में चल रहे सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने वार्ड–6, दून विहार, बृजलोक कॉलोनी, ग्राम पंचायत सेरकी, सहस्त्रधारा, सिंगली पंचायत, घन्तु का सेरा सहित अन्य क्षेत्रों में आरसीसी पाइप, सुरक्षा दीवार एवं जल निकासी से संबंधित निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पर्यावरण दिवस पर आयोजित किए गए विविध कार्यक्रम

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। गोपेश्वर महाविद्यालय की नमामि गंगे इकाई के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा के अवसर पर वृक्षारोपण,शपथ व स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रभारी प्राचार्य एमके उनियाल ने प्राध्यापकों व छात्रों को पर्यावरण शपथ दिलाई।तत्पश्चात महाविद्यालय के विभिन्न स्वयंसेवी इकाइयों व नमामि गंगे इकाई के द्वारा वृक्षारोपण किया और महाविद्यालय परिसर में सफाई की गई। नमामि गंगे इकाई के द्वारा वैतरणी जलधारा में गंगा आरती की गई व स्वच्छता अभियान चलाया गया। पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा के संदर्भ में विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें प्राचार्य प्रो एमके उनियाल , नमामि गंगे के संयोजक डॉ सबज कुमार सैनी, डॉ जोगेंद्र , डॉ चंदा एवं बीएड के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम का संयोजन नमामि गंगे इकाई के प्रभारी डॉ सबज कुमार सैनी ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो अमित कुमार जायसवाल, डॉ अखिलेश कुकरेती, डॉ एसएल बटियाटा, डॉ कुलदीप नेगी, डॉ सरिता पंवार, डॉ ममता असवाल , डॉ अखिल चमोली, डॉ चंद्रेश जोगेला उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

नगर पालिका ने प्लास्टिक प्रदुषण को समाप्त करना थीम पर आधारित कार्यक्रम की शुरुआत के तहत पौधारोपण किया

चमोली। नगरपालिका गौचर ने प्लास्टिक प्रदुषण को समाप्त करना थीम पर आधारित कार्यक्रम की शुरुआत करते हुऐ पौधारोपण कार्य किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष संदीप नेगी की मौजूदगी व अधिशासी अधिकारी हेमन्त चौहान की देख रेख में वन विभाग, महिलाऐं एवं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, पालिका कर्मियों और जनप्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लेने हुऐ गौचर मैदान, पार्क और कृष्ण गो सदन के समीप आज विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधारोपण कार्य किया गया। जिसमें वन विभाग के वन दरोगा द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित रखने व पेड़ों को संरक्षित रखने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

पेज 01 का शेष...

पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को मुख्यमंत्री धामी ने किया सम्मानित

उन्होंने कहा राज्य सरकार, लोकपर्व हरेला को प्रकृति संरक्षण के महापर्व के रूप में बृहद स्तर पर मनाती है। प्रदेश के नौले, धारे एवं वर्षा आधारित नदियों जैसे परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण के लिए 'स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी (सारा) का गठन किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते एक वर्ष में प्रदेश में लगभग 6,500 से अधिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं उपचार का कार्य सफलतापूर्वक किया गया है। लगभग 3.12 मिलियन घन मीटर वर्षा जल का संचयन भी किया गया है। चारधाम यात्रा सहित विभिन्न धार्मिक, पर्यटन और अन्य अवसरों पर प्रदेश में आने वाले वाहनों में कूड़ेदान रखना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा हाल ही में प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय खेलों को 'ग्रीन गेम्स' की थीम पर आयोजित किया गया था। इस आयोजन में सभी मेडल और पुरस्कार ई–वेस्ट सामग्री से बनाए गए और खेल किट भी रीसाइकल्ड सामग्री से तैयार किए गए। वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने कहा कि उत्तराखंड पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है। जिसके फलस्वरूप आज देश में कार्बन को अवशोषित करने वाले सर्वश्रेष्ठ पांच राज्यों में उत्तराखंड का नाम है। उन्होंने कहा पर्यावरण संरक्षण के लिए हमने जन सहभागिता को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा उत्तराखंड आने वाले यात्रियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। आज राज्य में प्लास्टिक के विकल्प पर भी कार्य किया जा रहा है। प्लास्टिक के न्यूनतम इस्तेमाल हो, इसका हमें विशेष ध्यान रखना होगा।

स्वत्वाधिकारी नजरिया खबर के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक गीता जायसवाल द्वारा श्रेष्ठा प्रिन्टर्स, वार्ड नं.03,पो.ओ. लालकुंआ जिला–नैनीताल, उत्तराखण्ड से मुद्रित तथा 14–डी मीडो प्लाजा, प्रथम तल राजपुर रोड देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित सम्पादक : विजय जायसवाल फोन नं. – 0135&2740930, 9837027458 RNI NO: UTTHIN/2008/25052 प्रकाशन सम्बन्धी सभी विवादों का निस्तारण सिर्फ देहरादून न्यायालय होगा। E-mail: nazariakhabar@gmail.com
Website : www.nazariyakhabar.com **डाक पंजीयन : UA/DO/DDN/402/2017-19**